प्रत्यय

प्रत्यय–जिन शब्दांशों को मूल शब्द के अंत में जोड़कर नए शब्दों की रचना की जाती है, उन्हें प्रत्यय कहते हैं। इनके प्रयोग से शब्द के अर्थ में बदलाव या विशेषता आ जाती है। इस प्रकार कह सकते हैं कि–"जो शब्दांश मूल शब्द के अंत में जुड़कर नए शब्द बनाते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।"

प्रत्यय के प्रयोग से–

1. शब्द के अर्थ में बदलाव आ जाता है।
2. शब्दों के प्रकार्य में अंतर आ जाता है, जैसे पढ़ (क्रिया) में 'आई' प्रत्यय जोड़ने से पढ़ाई (**भाववाचक संज्ञा**) और 'आकू' जोड़ने से पढ़ाकू (**विशेषण**) बन जाता है।
3. प्रत्यय का स्वतंत्र प्रयोग नहीं होता है।

प्रत्यय के भेद

प्रत्यय मुख्यतया दो प्रकार के होते हैं–

(*i*) कृत् प्रत्यय (*ii*) तद्धित प्रत्यय

(*i*) कृत् प्रत्यय–क्रिया के मूलरूप (धातु) के साथ जुड़ने वाले प्रत्यय कृत् प्रत्यय कहलाते हैं। कृत् प्रत्यय धातु में जुड़कर संज्ञा और विशेषण शब्दों की रचना करते हैं।

उदाहरण–

क्रिया या मूल रूप (धातु)	प्रत्यय	प्रत्यय युक्त शब्द
लिख	आवट	लिखावट
पठ	अनीय	पठनीय
बह	आव	बहाव
पी	आस	प्यास

कुछ प्रमुख कृत् **प्रत्यय** तथा **प्रत्यय युक्त शब्द**

प्रत्यय	प्रत्यय युक्त शब्द
अक्कड़	पियक्कड़, भुलक्कड़, घुमक्कड़
अंत	रटंत, पठंत, गढ़ंत
अन	चिंतन, पठन, मरन, चलन, झाड़न
आ	पढ़ा, चला, गिरा, भूला, सोचा
आई	लिखाई, पढ़ाई, चढ़ाई, पिटाई

आन	लगान, कटान, चालान, उठान
आवा	पहनावा, बुलावा, दिखावा
आव	बचाव, बहाव, खिचाव, फैलाव
आवट	लिखावट, बनावट, गिरावट, रुकावट
आलू	झगड़ालू, चालू
आहट	घबराहट, चिल्लाहट, मुसकराहट
ई	हँसी, बोली, चली
कर	चलकर, लिखकर, बोलकर
ती	चलती, गिरती, बहती, जगती
ना	चलना, पढ़ना, गिरना, रुकना, बहना
वाई	लिखवाई, सुनवाई, कटवाई

संस्कृत के कृत् प्रत्यय

प्रत्यय	**प्रत्यय युक्त शब्द**
अन	जलन, भवन, नमन, पठन, श्रवण
अनीय	पठनीय, दर्शनीय, गोपनीय, दयनीय
क	लेखक, गायक, चालक, सेवक
ता	वक्ता, श्रोता, कर्ता, विक्रेता
य	देय, गेय, पेय, श्रेय

(ii) **तद्धित प्रत्यय**–जो प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण मूल शब्दों के साथ जुड़कर नए शब्द बनाते हैं, उन्हें तद्धित प्रत्यय कहते हैं, जैसे–**'यार'** (जातिवाचक संज्ञा) में **'आना'** प्रत्यय जोड़ने से **यारा**ना शब्द बनता है।

हिंदी के तद्धित प्रत्यय	**प्रत्यय युक्त शब्द**
आ	भूखा, प्यासा, मैला, भला, ठंडा
आई	भलाई, बुराई, गहराई, चतुराई, सफाई
आऊ	उपजाऊ, बिकाऊ, भड़काऊ
आना	शर्माना, जुर्माना, सलाना
आनी	पंडितानी, क्षत्राणी, मेहतरानी
आर	लुहार, सुनार, कुम्हार, चमार
आरी	जुआरी, पुजारी, भिखारी
आहट	मुसकराहट, चिकनाहट, कड़वाहट
इक	धार्मिक, कार्मिक, मार्मिक, सामाजिक, श्रमिक
इन	नागिन, मालिन, सापिन, लुहारिन, भिखारिन
ईला	जहरीला, भड़कीला, चमकीला, नुकीला, सुरीला
एरा	सपेरा, फुफेरा, ममेरा, चचेरा
औती	बपौती, मनौती, कठौती, फिरौती
कार	पत्रकार, चित्रकार, कलाकार, छायाकार, फनकार

खोर	आदमखोर, सूदखोर, घूसखोर
गर	कारीगर, सौदागर, बाजीगर
ची	तोपची, नकलची, खजानची
दार	फलदार, छायादार, मालदार, चौकीदार
पन	अपनापन, पागलपन, परायापन, बचपन
वान	दयावान, भाग्यवान, कोचवान, गाड़ीवान
वाला	फलवाला, गाड़ीवाला, रद्दीवाला, ताँगेवाला

संस्कृत के तद्धित प्रत्यय

तद्धित प्रत्यय	**प्रत्यय युक्त शब्द**
आलु	दयालु, कृपालु, श्रद्धालु
इत	पठित, रचित, लिखित, हर्षित, पुष्पित
इक	ऐतिहासिक, धार्मिक, सामाजिक, नैतिक
इमा	गरिमा, महिमा, हरीतिमा, कालिमा
इल	जटिल, कुटिल, पंकिल, धूमिल
ईय	मानवीय, भारतीय, शासकीय
तम	सरलतम, कठिनतम, लघुतम, कठोरतम
त्व	अपनत्व, गुरुत्व, लघुत्व, महत्व, पुरुषत्व
वान	धनवान, बलवान, पहलवान, दयावान

उर्दू के तद्धित प्रत्यय

तद्धित प्रत्यय	**प्रत्यय युक्त शब्द**
आना	नजराना, मेहनताना, सालाना
इश	फरमाइश, आजमाइश
दान	कलमदान, फलदान, पीकदान, इत्रदान
मंद	जरूरतमंद, अक्लमंद, दौलतमंद
बाज़	चालबाज़, धोखेबाज़, चाकूबाज़

उपसर्ग एवं प्रत्यय युक्त शब्द

अभिमानी	=	अभि	+	मान	+	ई
अमानवीय	=	अ	+	मानव	+	ईय
अपठित	=	अ	+	पठ	+	इत
अपमानित	=	अप	+	मान	+	इत
अनुदारता	=	अन	+	उदार	+	ता
असुरक्षित	=	अ	+	सुरक्षा	+	इत

प्रश्न-अभ्यास

1. नीचे दिए गए शब्दों के में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द अलग-अलग करके उदाहरण के अनुसार लिखिए–

शब्द	प्रत्यय	मूल शब्द
नौकरानी	**आनी**	**नौकर**
लुहार	.....	.....
सामाजिक	.....	.....
भिखारी	.....	.....
जहरीला	.....	.....
बाजीगर	.....	.....
सपेरा	.....	.....
अपनापन	.....	.....
दयावान	.....	.....
चौकीदार	.....	.....
लिखित	.....	.....
नैतिक	.....	.....
महिमा	.....	.....
धूमिल	.....	.....
कठोरतम	.....	.....
शक्तिमान	.....	.....
कलमदान	.....	.....

उत्तर

प्रत्यय	मूल शब्द	प्रत्यय	मूल शब्द
आर	लोहा	दार	चौकी
इक	समाज	इत	लिख
आरी	भीख	इक	नीति
ईला	जहर	इमा	महा
गर	बाजी	इल	धूम
एरा	साँप	तम	कठोर
पन	अपना	मान	शक्ति
वान	दया	दान	कलम

2. नीचे कुछ प्रत्यय दिए गए हैं। उनका प्रयोग कर दो-दो शब्द बनाइए–

प्रत्यय	शब्द	
ती	**गिरती**	**पढ़ती**
नी	.....	.....

अनीय	.....	.....
ई	.....	.....
वान	.....	.....
वाला	.....	.....
दार	.....	.....
कार	.....	.....
इक	.....	.....
ईला	.....	.....
इत	.....	.....
ऊ	.....	.....
त्व	.....	.....

उत्तर

ओढ़नी	जननी	साहूकार	पत्रकार
गोपनीय	पठनीय	वैवाहिक	सामाजिक
बोली	धमकी	चमकीला	जहरीला
पहलवान	बलवान	पठित	रचित
फलवाला	दूधवाला	बाजारू	चालू
पहरेदार	दुकानदार	गुरुत्व	महत्व

3. नीचे दिए गए शब्दों में उचित प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए–

इतिहास	सामान्य	पुष्प	धर्म
हर्ष	त्याग	नीति	भूगोल
फिल्म	अखबार	पल्लव	बैंगन
दिन	पंडित		

उत्तर

ऐतिहासिक	सामान्यतया	पुष्पित	धार्मिक
हर्षित	त्यागी	नैतिक	भौगोलिक
फिल्मकार	अखबारवाला	पल्लवित	बैंगनी
दैनिक	पंडिताई		

4. नीचे दिए गए शब्दों में उपसर्ग और प्रत्यय दोनों ही प्रयुक्त हैं। इन्हें पृथक् कर उदाहरण के अनुसार लिखिए–

अकल्पनीय	अ	कल्पना	ईय
निर्दयी	.....	.....	.....
अनुदारता	.....	.....	.....

प्रकाशित	.....	.....	.....
अपराजिता	.....	.....	.....
असुरक्षित	.....	.....	.....
अनुमानित	.....	.....	.....

उत्तर

निर् + दया + ई		अ + पराजित + आ	
अन + उदार + ता		अ + सुरक्षा + इत	
प्र + काश + इत		अनु + मान + इत	

5. नीचे दिए गए शब्दों में दो-दो प्रत्यय प्रयुक्त हैं। इन्हें पृथक् करके लिखिए–

ईमानदारी = ... + ... + ...
पहलवानी = ... + ... + ...
वैज्ञानिकता = ... + ... + ...
दयालुता = ... + ... + ...
सामाजिकता = ... + ... + ...

उत्तर

ईमान + दार + ई		दया + आलु + ता	
पहल + वान + ई		समाज + इक + ता	
विज्ञान + इक + ता			

स्वयं करें

1. नीचे लिखे शब्दों से प्रत्यय पृथक् कर मूल शब्द लिखिए।

बुराई	कारीगर	सुनार	लुटिया	मार्मिक	उपजाऊ
शर्मीला	पुजारी	नौकरानी	दयालु	नैतिक	पठित

2. नीचे दिए प्रत्ययों से दो-दो शब्द बनाइए–

नी	वाई	अनीय	व्य	त्व	उक	आस	इया	इक
आ	आई	आऊ	ऐल	औती	हारा	वान	दार	पन
आलु	तया	ईला						

3. नीचे दिए शब्दों में उपसर्ग और प्रत्यय दोनों प्रयुक्त हैं। उन्हें पृथक् करके मूल शब्द लिखिए–

अव्यवहारिक, अधिकारी, अमानवीयता, असुरक्षित।

4. नीचे दिए शब्दों में दो-दो प्रत्यय प्रयुक्त हैं। इन्हें पृथक कर मूल शब्द लिखिए–

धार्मिकता, सामाजिकता, मार्मिकता, नैतिकता, मानवीयता।

रचनात्मक मूल्यांकन

क्रियाकलाप– फूलों की पंखुरियों पर प्रत्यय युक्त शब्द-लेखन।

उद्देश्य–
- शब्द-भंडार में वृद्धि करना।
- शब्द-निर्माण की प्रक्रिया से अवगत कराना।
- शब्द के अर्थ में आए परिवर्तन को समझना।

प्रक्रिया–
- सर्वप्रथम अध्यापक श्यामपट्ट पर चार पंखुड़ी वाले फूल बनाएँ। फिर उनके बीच में अलग-अलग प्रकार के प्रत्यय लिखेंगे; जैसे–

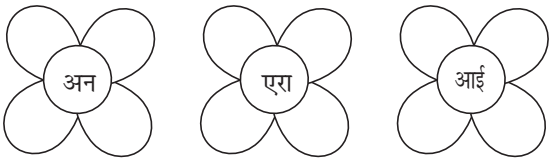

- प्रत्येक विद्यार्थी फूल की पंखुड़ी पर बीच में लिखे प्रत्ययों के योग से बने शब्द लिखेंगे।

मूल्यांकन का आधार बिंदु– प्रत्येक सही शब्द हेतु **एक अंक** दिया जाए।

❑❑❑